मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 05 सितम्बर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	05-09-14	06-09-14	07-09-14	08-09-14	09-09-14
वर्षा (मि.मी.)	6	4	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	27	27	28	28	29
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	27	27	28	28
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	8	5	6	7	8
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	90	88	80	83	85
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	64	58	53	55	64
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	17	11	10	12	12
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

किसान भाई वातावरण में आर्द्रता एवं वर्षा के मद्देनजर पौध संरक्षण रसायनों का छिड़काव मौसम के खुलने के बाद ही करें।

मौसम के साफ होते ही किसान भाई दलहनी फसलो में निराई–गुडाई करके खरपतवार निकाले।

मूंग व मोठ में फली छेदक कीट की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 36 एस.एल. या क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. दवा एक लीटर या कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढ़ाई किलो प्रति हैक्टर की दर से फूल व फली आते ही छिड़काव करें।

तिल की फसल में छाछया रोग क नियंत्रण हेतु 20 किलो गंधक के चूर्ण का प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

बैगन, भिण्ड़ी व टमाटर की फसल में फल छेदक कीट (लट) के नियन्त्रण हेतु मैलाथियॉन 50 ई.सी. एक मिली लीटर का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

खुरपका–मुंहपका रोग से ग्रस्त पशुओं का दूध बछड़ो को नही पीने दें ।

भेड बकरीयों में पीपीआर, चेचक व फड़किया रोग के टीके अवश्य लगवाएं।

पशुओं के बाड की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें।